General Outline of Topics Covered by First Aid

सर्टिफिकेट कोर्स–प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण

प्रस्तावना

दुर्घटनाएं एवं बिमारियां बता कर नहीं आती, और यह भी नही पता कब आएगी,कैसे आएगी किसे आएगी और क्यों आएगी ।लेकिन जब आए, अगर हमारे पास चिकित्सा प्रकल्प उपलब्ध है, तो उसकी भयावहता और गहनता दोनों ही कम हो जाती है। और मानव जीवन सुरक्षित रहता है। अतःहमें अनहोनी की प्रतिक्षा नही करना है, लेकिन उसे संभालने के लिए तत्पर एवं प्रशिक्षित रहना हैं। इसलिए हमारे विश्वविद्यालय के पूरे परिसर के हर व्यक्ति के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह प्राथमिक चिकित्सा का प्रयोग समझे एवं जरूरत पड़ने पर उपयोग करें।

यह विश्वविद्यालय का प्रथम प्रयास है जो समाज एवं व्यक्तिगत रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होने के साथ ही प्रत्येक मानव के लिए अनिवार्य भी है।

अतः विश्वविद्यालय स्तर पर सभी कर्मचारी अधिकारी एवं संकाय सदस्यों की इसमें भागीदारी इसमें समाज विज्ञान एवं वर्तमान महामारी के लिए संयुक्त प्रयास होगा।

उद्देश्य :– यह तो विदित ही है कि हमारी यूनिवर्सिटी से सबसे नजदीकी चिकित्सा सुविधा से कम से कम आधा घंटे की दूरी पर है और अगर किसी साथी को मेडिकल इमरजेंसी की जरूरत पड़ती है तो हम सबको उसे अस्पताल तक पहुंचाने का तरीका आना चाहिए। इसे ही प्राथमिक चिकित्सा कहते हैं।

1. **प्रशिक्षणार्थी** – विश्वविद्यालय के अधिकारी/संकाय सदस्य/कर्मचारी एवं परिवार, अन्य हेतु
2. **स्थान** :– ब्राउस परिसर, बुद्ध विहार
3. **कोर्स की अवधि :–** 7 दिन (2 घंटे प्रतिदिन)
4. **शुल्क :– 200/– (पंजीयन शुल्क 100, अन्य शुल्क 100/–)ब्राउस हेतु/बाहरी सदस्यों हेतु 300/–**
5. **रूपरेखाः–**

बैच सीमा– 30 प्रतिभागी

6. **भाषा**– हिन्दी

Online (डॉ. राजाराम खन्ना) Online (डॉ. पवन पांचाल) Online (डॉ. निर्मला पैथ)

पाठ्यक्रम

प्राथमिक चिकित्सा के आधारभूत तथ्यों एवं प्रयोग के माध्यम से प्रशिक्षण होगा–

1. प्राथमिक चिकित्सक का उद्देश्य एवं जवाबदारी।
2. मानव शरीर
3. घटना – दुर्घटना की रिपोर्टिंग व रिकॉर्डिंग ।
4. कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं की चर्चा ।
5. फर्स्ट एड बाक्स की जानकारी एवं उपयोग की विधि।
6. दुर्घटना का आकलन और इमरजेंसी में जल्द से जल्द सुरक्षित एवं प्रभावी तरीके से कार्य करना।
7. हृदय एवं सांस का पुनर्चलन CPR(cardio pulmonary resuscitation) प्रायोगिक सीख
8. छोटे घाव, चोट एवं खरोंचों का निपटान।
9. जलने पर देखभाल।
10. दम घुटना
11. बेहोश होना।
12. चोट एवं घाव से खून बहना ।
13. मधुमेह या डायबिटीज ।
14. दमे की शिकायत या अस्थमा।
15. हड्डी का टूटना या फ्रैक्चर।
16. पक्षाघात या पैरालिसिस या स्ट्रोक।
17. भयंकर एलर्जी या एनाफायलैक्टिक शॉक ।
18. हार्टअटैक और एंजाइना
19. विष सेवन या पॉइजनिंग
20. आंखों में चोट
21. हड्डी, जोड़ और मांसपेशियों में चोट
22. हड्डियां ,मांसपेशियों और जोड़ों में चोट एवं रीढ़ की हड्डी में चोट ।
23. छाती की चोट।
24. सांप काटना।
25. आपात स्थिति में कार्य करना
26. स्वचालित बाहरी डिफिब्रिलेटर (एईडी)
27. रक्तस्राव को नियंत्रित करना
28. जहर

Online (डॉ. राजाराम खन्ना) Online (डॉ. पवन पाचाल) Online (डॉ. निर्मला वैद्य)

29. वायुमार्ग की रुकावट

30. ठंड और गर्मी की आपात स्थिति

7. **परीक्षा एवं आकलन :–**

5 दिन की पूर्ण ट्रेनिंग के पश्चात ट्रेनर द्वारा सभी प्रतिभागियों का मौखिक पर आकलन होगा एवं उसके पश्चात संतुष्ट होने पर सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा ।

Online (डॉ. राजाराम खन्ना)

Online (डॉ. पवन पांचाल)

Online (डॉ. निर्मला वैद्य)